मिशन शिक्षण संवाद

विश्व पर्यावरण दिवस

विशेषांक

संकलन

काव्यांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

एक परिचय

तर्ज:- तू ही ये मुझको बता दे, चाहूं मैं या ना

सनकटपन्न प्रजातियां, है यह देखो
इनको हो रही हानियां, है यह देखो।।
इनको जान लो तुम,जरूरी मान लो तुम
करें प्रकृति का देखभाल,
बनता है संतुलन, ना करो तुम उन्मूलन।
इनको लो तुम संभाल।
संकटपन्न ....

गीदड़, तेंदुआ और जंगली गधा,
असमी खरगोश और लाल पांडा
छोड़ रहे यह निशानियां,है यह देखो।
संकटपन्न ....

कुछ महत्वपूर्ण पक्षी है ,जैसे यह ग्रीज है
स्वान गरुण बाज बत्तख और हॉर्नबिल है
कुछ सरीसृप भी है जैसे घड़ियाल
मगरमच्छ कछुए का हुआ बुरा हाल
रेड डाटा बुक में, नाम दर्ज है, इनका करो ना शिकार।
पारिस्थितिकी को ,यह बनाते हैं यह भी है एक परिवार।
संकटपन्न ....

सुधांशु श्रीवास्तव (स. अ.)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

01

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

पेंगुइन

पेंगुइन से सीखिए जीने का सलीका,
विपरीत परिस्थितियों में खिलने का तरीका।
देखिए कैसे शोर मचाने वाले ये पक्षी,
देखते ही मन को अपार शान्ति पहुंचाने वाले ये पक्षी।

सीखिए इनके उच्च स्तर के सामाजिक सम्बन्ध बनाने,
दुनिया के प्राचीनतम एवं दक्षिणी गोलार्द्ध के ये पक्षी।
गहराइयों में जाने ,तैराकी, खाने, बच्चे पालने का तरीका,
खारे पानी से नमक हटाकर पानी जुटा जाते हैं ये पक्षी ।

उड़ानरहित पर इनका फुदकना,मीलों चलना,तैरना हैं अनोखा,
देखिए है कैसाग्लोबल वार्मिंग,ग्रीनहाउस प्रभाव,बर्फ पिघलने।
अधिक मछली पकड़ने,पर्यावरण संरक्षण न करने का नतीजा,
कुछ सालों में 50,000जोड़े में6000ही बच पाये किंग पेंगुइन।

हमें टिकाऊ कृषि पद्धति व स्वच्छ प्रकृति को ढूँढना है तरीका,
शुद्ध पर्यावरण होगा तभी स्वस्थ व सुन्दर पेंगुइन होगा नतीजा।

गुलफ्शाँ
प्रा. वि. केवटरा (बेंता)
फ़तेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

02

गीदड़

सर्वाहारी होता जीव सियार।
मध्यम इसका होता आकार।।
जंगलों, खेतों में पाया जाता।
गीदड़ नाम से भी जाना जाता।।

लोमड़ी की तरह यह दिखता।
भेड़ बकरियों पर हमला करता।।
नवजात शिशु को भी खा जाता।
पौराणिक जंतु भी ये कहलाता।।

इंसानी भोजन रोटी को भी खाता।
16 किमी० प्रति घंटे दौड़ लगाता।।
दंत कथाओं में वर्णन गीदड़ का।
हाथ लगे शिकार करता उसी का।।

जनसंख्या विस्फोट करता आदमी।
सियारों की संख्या में आई कमी।।
भारत का यह शानदार जानवर।
रातों में आवाज ये लगाए मिलकर।।

मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

03

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

पांडा

आओ बच्चों तुम्हे बतलाये
बातें पांडा राम की...

बिल्ली से लगता है वह,
पर वो बिल्ली नही है ।
कान है उसके चूहे जैसे
पूंछ है लोमड़ी रानी जैसी ,
ठुमक ठुमक के चलता जब वो ,
देखते लोग निहार के ।

बांस वो खाता सबसे ज्यादा,
नाचता एक टांग पे,
लेकिन यह भी जानो बच्चों,
खतरा उसे इंसान से
मानव के स्वार्थ ने इन्हें ,
पहुंचाया लाल निशान पे।

आज यह प्रण लेंगे हम
फहलाएँगे जनजागरूकता
बचाएंगे पांडा राम को ।
झूम झूम के नाचेंगे सब साथ
अपने पांडा राम के ।

अंजली मिश्रा(स.अ.)
प्राथमिक विद्यालय असनी 1
भिटौरा -फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

04

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

बाघ

शक्ति गति का प्रतीक मैं,
राष्ट्रीय पशु कहलाता हूँ।
पर्यावरण के संतुलन में,
मुख्य भूमिका निभाता हूँ।।

सुनकर तीव्र गर्जना मेरी,
हांथी भी सर झुकाते हैं।
गुजरता हूँ जिस गली से मैं,
सब नतमस्तक हो जाते हैं।

मैं हूँ जंगल का अभिमान,
मुझे न मारो मुझे न मिटाओ।
जगंल तरस रहे सुनने को,
मेरी दहाड़ मुझे बचाओ।।

हे मानव हर संभव प्रयत्न करो,
मेरे अनुकूल वातावरण बनाओ
जन-जन को पहुंचाओ पैगाम,
सब मिलकर मेरे प्राण बचाओ।।

सुनों गौर से भारतवासियों,
जंगल बचाओ,मुझे बचाओ।
मानवता का कर्तव्य निभाकर,
पर्यावरण को तुम बचाओ।।

नवनीत शुक्ल (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय भैरवां द्वितीय
शिक्षा क्षेत्र:-हसवां ,जनपद:-फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद **05**

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

कस्तूरी मृग

कस्तूरी मृग है बड़ा छबीला,
यह छोटा प्राणी है शर्मीला।
हिम पर्वत पर है यह पाया जाता,
तिब्बत, नेपाल, कोरिया मे आवास बनाता ।।

वजन तेरह किलो तक होता इसका,
काले-पीले धब्बे, रंग भूरा होता इसका।
कुदान है ऊंची-ऊंची इसकी,
श्रवण शक्ति भी तीक्ष्ण है इसकी।।

बाल बहुत मुलायम इसके
रेशम के हो टुकड़े जैसे।
कस्तूरी के लिए मानव लेता है इसकी जान,
इसलिए हो रहा इस प्रजाति का अवसान।।

इला सिंह (स.अ.)
उच्च प्राथमिक विद्यालय पनेरूवा
अमौली (फतेहपुर)

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

06

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

घड़ियाल

तर्ज़- तुम्हारी नज़रों में हमने देखा

रेड डाटा की सूची में है,
संकटग्रस्त घड़ियाल सरीसृप।
जल में है इसका निवास पर,
दिखता है किनारों पर जब तब।।

है गम्भीर खतरों की श्रेणी में,
संरक्षण की इसको है ज़रूरत।
IUCN के सर्वेक्षण में,
पूरे विश्व में केवल छः सौ।।

है यह मगरमच्छ प्रजाति का,
कहते इसको गैवियालिस गंजेटिकस।
मछली खाने वाला है यह,
है बिल्कुल विलुप्तप्राय यह।।

जीवों का संरक्षण करना,
हम सबकी आवश्यकता है यह।
नहीं किया संरक्षण तो फिर,
बिगड़ेगा पारिस्थितिक संतुलन ।।

उषा देवी इ.प्र.अ.
प्रा.वि.तलकापुर
हथगाम,फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

समुद्री कछुआ

समुद्र की दुनिया है बड़ी अजीब,
उसमें रहते विभिन्न प्रकार के जीव।
समुद्री कछुआ टरटल भी कहते हैं,
रोचक कहानी इसकी सुनाते हैं।।
सात जातियों में यह पाया जाता है,
समुद्र में रहकर जीवनयापन करता है।
टेस्टूडनीज सरीसृपों में यह आता है,
पसलियों से ढाल कवच बना पाता है।।

थल-जल दोनों जगह आवास बनाता है,
इसलिए उभरयचर प्राणी कहलाता है।
300 साल से अधिक जीवित रहता है,
कछुआ का जीवन भी खतरे में रहता है।।
भारत के भीतरकनिका,ओडिशा में,
प्रारम्भ हुई कछुआ संरक्षण योजना 1989 से।
कछुआ को दिखाई देता रात के अंधेरे में,
पहचान करे पराबैंगनी किरणों और लाल रंग में।।

प्रतिमा उमराव स. अ.
क.वि. अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

अजगर

सरीसृप वर्ग का प्राणी हूँ, अजगर मेरा नाम।
सर्पों में सबसे बड़ा सर्प हूँ, पर करूं ना कोई काम।।
गहरे धूसर हैं चकत्ते, भूरा मेरा रंग।
आकृति सिर पर बर्छी की, विषहीन मैं भुजंग।।
शीर्ष के पार्श्व पर है गुलाबी भूरी पट्टियां, ले तू मुझे पहचान।
एशिया, अफ़्रीका है आश्रयस्थल मेरा, हूं बहुत ही बलवान।।
अमूल्य जीव हूं खाद्य श्रृंखला का,धरा मेरी पालनहार।
संरक्षण कर ना पाये जो मेरा, तो होगा तेरा भी संहार।।

क्यूँ नोच रहा शरीर मेरा अपने शौक की खातिर,
है तेरी मनुजता पे ये सवाल।
पूछेंगीं तुझसे तेरी पीढ़ीयां,
कहाँ गया जो था इक व्याल विशाल।

मुक्ता सिंह (प्र.अ.)
प्रा. वि. खुरमानगर
खजुहा (फ़तेहपुर)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद **09**

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

हंस

प्रेम से रहना पहचान है
मानसरोवर वासस्थान है।
धरती पर लुप्त प्राय है हंस
रक्षा को विशेष अभियान है।

युगों से पाया जाता धरती पे जो
है सुरक्षा संरक्षा से संकट में वो।
नीर क्षीर विवेक का पर्याय जो
देता दुनियां को शांति संदेश वो।
बुद्धिमत्ता का जोड़ है नहीं
मां सरस्वती का वाहन है।

धरती पर लुप्त प्राय है हंस
रक्षा को विशेष अभियान है।
प्रेम से रहना पहचान है
मानसरोवर वासस्थान है।
धरती पर लुप्तप्राय है हंस
रक्षा को विशेष अभियान है।

सुमन पांडेय(प्र. अ.)
प्रा. वि. टिकरी -मनौटी
शि.क्षे. -खजुहा,
जनपद -फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

10

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

हार्नबिल

चोंच से इसको पहचाना जाता है।
लंबी चोंच तोते की तरह मुड़ी होती है ।
इसको अंग्रेज हार्नबिल पुकारता है ।
भारत में धनेश पक्षी कहलाता है ।
पूरा शरीर ग्रे रंग,पेट हल्का सफेद होता है ।
24 इंच का भारतीय हॉर्नबिल होता है।
2000 फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है ।
झुंड और जोड़े में रहना ज्यादा पसंद होता है।
खाने में इनको सब फल कीड़े पसंद होता है।
घने जंगल,खुल्ले मैदान में रहना पसंद होता है।
हिमालय के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र,
पर्वतीय, उपमहाद्वीप में पाए जाते हैं।
आकीसेरास बिरोस्ट्रिस जाति का कहलाता है ।
पक्षी एशिया,अफ्रीका मलेशिया में पाया जाता है।
दुनियाँ भर में 55,भारत में 9 प्रजाति होती है।
न हो शिकार तो जीवन 20 से 50 वर्ष का होता है ।

किरन स. अ.
प्रा. वि. बिजली द्वितीय
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

11

सारस

अतुलनीय इस खग का आकर्षण,
अद्वितीय इसका प्रेम और समर्पण।
होता कीटों से पौधों का रक्षक,
मेंढक, घोंघा का यह भक्षक।।

लंबे पैर और लंबी गर्दन जिसकी,
संकट में है प्रजाति आज उसकी।
जोड़े में सदा यह पंछी रहता,
विश्व में सबसे ऊंची उड़ान भरता।

क्रौंच नाम से यह जाना जाए,
सर्वाधिक भारतवर्ष में पाएं।
राजकीय पक्षी यह कहलाए,
उत्तर प्रदेश की शान बढ़ाए।।

विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व जग में पाए,
रामायण की प्रथम कविता में श्रेय पाए।
कई रोगों का नाशक वैद्यक बतलाए,
मिलकर इस विलुप्त पंछी को बचाएं।।

मंदाकिनी गौर(स.अ.)
प्रा.वि.अकिलाबाद -2
खजुहा(फतेहपुर)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

12

मोर

पीहू-पीहू बोले मोर हमारे,
रोज-रोज आते छत पे हमारे।
पंख हिलाए झूम-झूम नाचे,
शोर मचाते छत पे हमारे।।
सब को लुभाते मन को रिझाते,
सावन आया ये भी जताते।
देख-देख हम सब भी नाचें,
भागे-भागे छत पर जाते।।
झूले पड़ गए बाग में सारे,
कलियां खिल गई मेघा बरसे।
चम-चम बिजली चमके,
मोर मोरनी पीहू-पीहू चहके।।
आओं हम सब प्रण यह करें,
पर्यावरण की रक्षा करें।
जीवन बचाएं मोर का,
यह तो राष्ट्रीय पक्षी भारत का।।

साधना (प्र०अ०)
कंपोजिट वि० ढोढीयाही
तेलियानी, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

13

बाज

संकट आया बाज पर,
चलो बचायें सब मिल कर।
पैनी नजर का मालिक है वो,
फिर विलुप्त हुआ क्योंकर।।

मादा को है बाज बुलाते,
नर को जुर्रा कहकर।
पंजाब का ये राज्य पक्षी,
ढूंढें अब हम किधर।।

इतना बड़ा शिकारी,
डालें जिधर नजर।
5 किमी की दूरी से देखें,
जाये शिकार किधर।।

मोबाइल टावरों का,
संकट छाया इस पर।
खो जाये न ऐसे ये,
कि बच्चे ढूंढें गूगल पर।।

मंजुला मौर्य(प्र०अ०)
प्रा० वि० छीछा
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान। मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद 14

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

मूक हंस

संकटापन्न पक्षियों की बात बतायें,
आज मूक हंस पक्षी से मिलायें।
ये जलपक्षी कहलाये,
चोंच भिन्न रंग की भाये।।

एक जोड़ा नित संग रहता,
बिछोह पे दूजा प्राण दे देता।
अण्डे हरे-भूरे हो भाई,
ईख,घास से कुटी बनाई।।

फल और कीट को खाता है,
गर्मी में पंजे उठाता है।
साहसी बहुत ये होता पक्षी,
चूहे का होता है भक्षी।।

गर्व में गर्दन ऊँची करता,
परेशानी में भयानक रूप धरता।
जैसा नाम से स्पष्ट हो जाता,
गुस्से में वो मूक हो जाता।।

आयुषी अग्रवाल(स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय शेखूपुर खास
कुन्दरकी(मुरादाबाद)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

गौरेया

मन मोहती घरेलू चिड़िया गौरैया
फुदकती रहती घर आंगन में सलोनी ।
सफाई करती कीड़े-मकोड़े दिनभर
घर आंगन हो कच्चा या पक्की कालोनी ।।

प्रकृति के संकेतों को समझती वह बखुबी ,
मौसम जान लेती है अपने अनुमान से ।
धूल में करती है जब वह अठखेलियां,
सूचना दे देती है वर्षा तूफान से ।।

देती है अण्डे वह निज घोंसले में,
ग्रीष्म ऋतु है उसके प्रजनन का ।
तीन चार अण्डों से भरता है घोंसला,
अण्डों को सेवती है वह पूरी लगन से ।।

आओ संकल्प करें आज हम सब,
विलुप्त होती प्रजाति को हम बचाएंगे ।
की थी जघन्यता चीन ने कभी इस पर,
इस प्रजाति को हम बचाएंगे,हम बचाएंगे ।।

बी.डी.सिंह प्रभारी
Ups   मदुरी
खजुहा-फतेहपुर ।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद 16

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

मगरमच्छ

मगरमच्छ है पूरा नाम ,
जीवो को खाना है काम ।
मनुष्य भी आ जाए यदि पास,
करता उसका काम तमाम ।।

अधिकतर रहता पानी में,
आ जाता कभी स्थल पर।
विचरण करता रहता यह,
नदी तालाब और नहरों पर ।।

20 मील प्रति घंटा होती ,
इसके तैरने की चाल ।
निद्रा की अवधि बेहद कम ,
अंधेरे में भी देखे हाल ।।

सरीसृप से श्रेणी में आता ,
अद्भुत है यह जानवर ।
बड़े महाद्वीप में पाया जाता ,
23 जाति धरती पर ।।

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

संकट पन्न जीव एवं पक्षी

संकटपन्न जीव व पक्षी

हम सारे जीव जंतु महान,
हैं ईश्वर का प्यारा वरदान।
मत नष्ट करो हमको इंसान,
छिन जाएगी तुझसे तेरी पहचान।।

हमसे ही पाता ताकत तू,
हमें ही बनाता तू आहार।
बक्श दो हम जीवों को,
बन्द करो तुम मांसाहार।।

गर भविष्य बचाए रखना है,
तो जैवविविधता बनाए रखना है।
हमें विलुप्त होने से बचाना है,
गर अच्छा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।।

गीता यादव (प्र०अ०)
प्रा०वि० मुरारपुर
देवमई, फतेहपुर

Scanned with CamScanner

रचनाकारों की सूची

सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
गुलफ्शां, फतेहपुर)
मंजू शर्मा, हाथरस
अंजली मिश्रा, फतेहपुर
नवनीत शुक्ल, फतेहपुर
इला सिंह, फतेहपुर
उषा देवी, फतेहपुर
प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
मुक्ता सिंह,फतेहपुर
सुमन पांडेय,फतेहपुर
किरन, फतेहपुर
मंदाकिनी गौर, फतेहपुर
साधना फतेहपुर
मंजुला मौर्य, फतेहपुर
आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
बी०डी०सिंह, फतेहपुर
हेमलता गुप्ता,अलीगढ़

टेक्निकल टीम

अर्चना अरोड़ा
शहनाज बानो
प्रतिभा चौहान
आकांक्षा मिश्रा
रीना जी
साकेत बिहारी शुक्ला

मार्गदर्शन

आर के शर्मा
गीता यादव

मिशन शिक्षण संवाद

संकलन

काव्यांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with CamScanner